उदयपुर में पिछले पांच दिनों से जारी कर्फ्यू के कारण आमजन को हो रही भारी दिक्कतों को देखते हुये कर्फ्यू में शनिवार शाम को पांच घंटे की छूट दी गई। छूट मिलते ही उदयपुर शहर के मुख्य बाजार व दुकानें खुल गईं। पांच दिन के लगातार कर्फ्यू के कारण आमजन को रोजमर्रा की वस्तुएं एवं सामग्रियां जुटाने में भारी परेशानियां हो रही थीं। तथापि, हत्याकाण्ड वाली जगह, मालदास स्ट्रीट पर कर्फ्यू खुलने के बावजूद सन्नाटा पसरा रहा, यहां के बाजार में केवल इक्का-दुक्का दुकानें ही खुलीं।

उदयपुर में कर्फ्यू में पांच घंटे की छूट, शहर के बाज़ार व दुकानें खुलीं

हत्याकाण्ड स्थल, मालदास स्ट्रीट में सन्नाटा पसरा रहा, रविवार को कर्फ्यू अवधि में दस घंटे की छूट रहेगी

उदयपुर, 2 जुलाई (कासं)। उदयपुर की मालदास स्ट्रीट में गत 28 जून को हुई टेलर कन्हैयालाल की नृशंस हत्या के बाद शनिवार को उदयपुर शहर में प्रशासन की ओर से दी गई पांच घंटे की कर्फ्यू छूट के दौरान शहर के बाजार व दुकानें खुलीं। शहर में स्थिति नियंत्रण में है। वहीं घटनास्थल मालदास स्ट्रीट के बाजार में इक्का-दुक्का दुकानों को छोड़ पूर्णत: बंद ही रहा। कर्फ्यू में केवल पांच घंटे की ढील के चलते अन्य बाजारों में भी कई दुकानें बंद ही रही।

कन्हैयालाल की नृशंस हत्या के बाद मंगलवार रात 8 बजे से शहर के सात थाना क्षेत्रों सूरजपोल, हाथीपोल, धानमंडी, घंटाघर, अम्बामाता, भूपालपुरा व सवीना क्षेत्रों में चल रहे कर्फ्यू के बाद उदयपुर में सामान्य होती स्थिति के बीच आज कर्फ्यू में ढील दी गई। कर्फ्यूग्रस्त क्षेत्रों में कई दुकानों के शटर आधे खुले रहे वहीं लोगों अपनी जरूरतों की चीजों को खरीदा। शहर के बापूबाजार, धानमंडी, हाथीपोल, अश्विनी बाजार, स्वप्नलोक से चेटक जाने वाले मार्ग का बाजार, फतहपुरा, उदियापोल सहित शहर के बाजारों में स्थिति सामान्य होती दिखाई दी। हालांकि शाम 4 बजे बाद कर्फ्यू के मद्देनजर फिर से बाजारों में सन्नाटा पसर गया। वहीं मालदास स्ट्रीट में इक्का दुक्का दुकानों को छोड़ व्यापारियों ने आज भी दुकानें नहीं खोली। वहीं कुछ व्यापारी दुकानों पर पहुंचे और घटनाक्रम के बाद दुकान बंद करने के दौरान पंखा व लाइट चालू छोड़ गए जिन्हें बंद करने पहुंचे और वापस दुकान बंद कर लौट गए।

इधर, उदयपुर शहर में हुई घटना से उत्पन्न तनाव के बाद शनिवार को स्थिति शांत देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से रविवार को शहरवासियों को राहत प्रदान की है। जिला मजिस्ट्रेट ताराचंद मीणा ने एक आदेश जारी कर रविवार 3 जुलाई को कर्फ्यू में 10 घंटे की छूट प्रदान की है। इस आदेश के तहत रविवार सुबह 8 से शाम 6 बजे तक कर्फ्यू में छूट रहेगी।

- **इंटरनैट बंदी की अवधि 24 घंटे और बढ़ाई।**

एडीएम सिटी प्रभा गौतम ने बताया कि शहर के धानमंडी, घंटाघर, हाथीपोल, अंबामाता, सूरजपोल, सविना, भूपालपुरा, गोवर्धनविलास, हिरणमगरी, प्रतापनगर एवं सुखेर पुलिस थाना क्षेत्रों में लागू किए गए कर्फ्यू में दस घंटे की छूट दी गई है। निर्धारित अवधि के बाद इन थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू यथावत जारी रहेगा।

वहीं संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट ने एक आदेश जारी कर कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए संभाग के उदयपुर जिले के सम्पूर्ण क्षेत्र व राजसमंद जिले के भीम-देवगढ़ कस्बे में नैटबंदी की अवधि शनिवार से अगले 24 घंटे के लिए बढ़ा दी है। इस आदेश के तहत भट्ट ने शनिवार को तत्काल प्रभाव से आगामी 24 घंटे तक उदयपुर के सम्पूर्ण क्षेत्र व राजसमंद जिले के भीम-देवगढ़ क्षेत्र में इंटरनैट सेवा (लीज लाइन-ब्रॉडबैंड सेवाओं व लैंडलाइन फोन के साथ इंटरनेट सेवा को छोड़ते हुए) को निलंबित किया है।

सैनफ्रांसिस्को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिये आगे आ रहा है, जिन ताकतों का एकमात्र उद्देश्य इस इकलौते स्वतंत्र अंग (न्यायपालिका) को कमजोर करना है।" उस मानसिकता का जिक्र करते हुये, जो सरकार तथा विपक्ष- दोनों में बैठे लोगों को निर्देशित करती है, मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "सत्तारूढ़ दल यह मानता है कि, सरकार की हर कार्यवाही को न्यायपालिका का समर्थन मिलना ही चाहिये। विपक्षी दल न्यायपालिका से यह अपेक्षा करते हैं कि न्यायपालिका उनकी, राजनैतिक स्थितियों तथा हितों को आगे बढ़ाये।" सी.जे.आई. रमना ने कहा कि, सभी लोगों की यह "दोषपूर्ण सोच", संविधान एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं के काम-काज के बारे में आम जनता में सही जानकारी के अभाव में पनपती एवं फलती-फूलती है। आम जनता में जबरदस्त तरीके से पैदा किया जा रहा यह अज्ञान ऐसी ताकतों की सहायता करने के लिये आगे आता है जिनका एकमात्र उद्देश्य इस इकलौते स्वतंत्र अंग (न्यायपालिका) को कमजोर करता है।" उन्होंने कहा कि, इन्डो-अमेरिकनों की इस विशाल भीड़ की जड़ें भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में फैली विविधतापूर्ण सांस्कृतिक एवं भाषायी पृष्ठभूमि में हैं। उन्होंने श्रोताओं से कहा कि, अमेरिका आ सकते हैं तथा प्रतिष्ठा अर्जित करें क्योंकि अमेरिका विविधता का सम्मान करता है। उन्होंने जोर देते हुये कहा, "दुनिया में हर जगह विविधता की कद्र और सम्मान होना चाहिये।" उन्होंने कहा, "कृपया याद रखें, अमेरिकन समाज की सहिष्णुता एवं समावेशी प्रकृति ही सारी दुनिया की सर्वोत्तम प्रतिभाओं को यहाँ खींच लाती है, और ये प्रतिभाएं बदले में, अमेरिका की ग्रोथ में अपना योगदान देती हैं। विविध पृष्ठभूमियों की सुयोग्य प्रतिभाओं का सम्मान किसी तंत्र में समाज के सभी वर्गों में विश्वास पैदा करता है तथा उसे कायम रखता है।" भारत के पूर्व शासन कालों की ठोस नीतियों तथा उनके द्वारा रखी गई बुनियाद का जिक्र करते हुये, मुख्य न्यायाधीश रमना ने दुख व्यक्त करते हुये कहा कि, उन नीतियों को, जो सरकारों के बदलते रहने के बावजूद, देश और राज्यों की सर्वतोमुखी ग्रोथ में योगदान देने वाली थी, आगे बढ़ाये जाने का अभाव रहा है। सी.जे.आई. रमना ने पूर्ववर्ती सरकारों के नीतिगत फैसलों के प्रति अनुवर्ती सरकारों के विपरीत रूख पर दु:ख व्यक्त करते हुए कहा "दीर्घकालीन विकास के आधार के साथ छेड़छाड़ कभी नहीं करनी चाहिए। पूरी दुनिया में सरकार बदलने के साथ ही नीतियां भी बदलती हैं, लेकिन कोई भी संवेदनशील, परिपक्व और देशभक्त सरकार ऐसे तरीके से नीतियां नहीं बदलेगी, जिससे उसके देश का ही विकास रूक जाए या मंद पड़ जाए। भारत में जब भी सरकार बदलती है तो दुर्भाग्य से हमें ऐसी संवेदनशीलता और अपरिपक्वता अक्सर देखने को नहीं मिलती।

जयपुर में वकीलों ने कन्हैयालाल हत्याकाण्ड के आरोपियों से मारपीट की

चारों आरोपियों की जयपुर स्थित एन.आई.ए. कोर्ट में पेशी हुई, कोर्ट ने आरोपियों को 10 दिन की रिमाण्ड पर भेजा

जयपुर,2 जुलाई (कासं)। एनआईए मामलों की विशेष अदालत ने उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी गौस मोहम्मद और रियाज के साथ ही आरोपी मोहसिन व आसिफ को 12 जुलाई तक एनआईए को सौंप दिया है। एनआईए ने मामले में चौदह दिन का रिमांड मांगा था। उधर पेशी के दौरान वकीलों ने आरोपियों से मारपीट की और उन पर पानी की खाली बोतलें भी फेंकी। आक्रोशित वकीलों ने आरोपियों को फांसी देने की मांग की।

- **वकीलों ने आरोपियों पर पानी की खाली बोतलें फेंकीं तथा पुलिस से उनका एन्काउन्टर करने व फांसी देने की मांग की।**
- **वकीलों ने एक आरोपी की पिटाई कर कपड़े फाड़ डाले।**

एनआईए ने अजमेर सैन्ट्रल जेल से दोपहर करीब डेढ़ बजे चारों आरोपियों को भारी पुलिस सुरक्षा के बीच लाकर जयपुर की विशेष अदालत में पेश किया। इससे पहले पुलिस टीम सुबह चारों को जयपुर एटीएस के ऑफिस ले गई। इसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान शहर के कई थानों की पुलिस के साथ ही आलाधिकारी कोर्ट पहुंच गए। स्थिति को देखते हुए एसटीएफ और करीब 1 दर्जन थानों के जाब्ते कोर्ट परिसर में तैनात किए गए। वहीं सादा वर्दी में भी पुलिसकर्मी कोर्ट के आसपास तैनात किया गया। एनआईए के साथ ही जयपुर कमिश्नरेट की टीम ने हालात को देखते हुए मौके पर मौजूद सभी पुलिसकर्मियों को यह जानकारी नहीं दी कि आखिर वे किस गेट से चारों आरोपियों को लेकर कोर्ट में जाएंगे। पुलिसकर्मी जिला एवं सैशन न्यायालय, जयपुर जिला के गेट नंबर दो पर तैनात किए गए, जिससे यह लगे कि आरोपियों को उसी गेट से लेकर आया जाएगा। इस कारण सभी अधिवक्ता भी गेट नंबर दो पर ही जमा हो गए। लेकिन, इसी बीच कलैक्ट्रेट सर्किल से पुलिस का काफिला आरोपियों को लेकर गेट नंबर एक से प्रवेश कर गया। गाड़ियां गेट नंबर एक पर पहुंची तो पुलिसकर्मी दौड़कर वहां तक गए और चंद मिनट में ही आरोपियों को वकीलों से बचाते हुए सुरक्षा का घेरा बनाकर बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर स्थित कोर्ट रूम में ले गए। इसी बीच कुछ वकील कोर्ट कक्ष में आरोपियों तक पहुंच गए और उनको जमकर खरी खोटी सुनाई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत के पीठासीन अधिकारी ने कोर्ट कक्ष से मीडियाकर्मियों सहित अन्य वकीलों को बाहर करने का आदेश देते हुए सिर्फ प्रकरण से जुड़े लोगों को ही उपस्थित रहने को कहा।

सूत्रों के अनुसार एनआईए की ओर से मामले में प्रार्थना पत्र पेश कर कहा गया कि आरोपियों से विस्तृत पूछताछ करनी है और उनके इंटरनैशनल कनैक्शन को लेकर भी पूछताछ करनी है। इसके अलावा प्रकरण में किन-किन लोगों ने आरोपियों की मदद की इस बारे में भी जानकारी हासिल करनी है। इसलिए आरोपियों को चौदह दिन की पुलिस अभिरक्षा में सौंपा जाए। इस पर अदालत ने आरोपियों को 12 जुलाई तक पुलिस अभिरक्षा में भेज दिया है।

इसी बीच आरोपियों की पेशी की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में वकील कोर्ट परिसर के बाहर एकत्र हो गए। 2 घंटे चली सुनवाई के दौरान बाहर मौजूद वकीलों ने जमकर हंगामा किया। उन्होंने दोषियों को फांसी देने की मांग की। आक्रोशित वकीलों ने भारत माता की जयकारे लगाने के साथ ही पुलिस को उनका एनकाउंटर करने के लिए कहा। इस दौरान वहां मौजूद भीड़ ने एक आरोपी की पिटाई कर दी और कपड़े फाड़ डाले। कोर्ट परिसर में तैनात जाब्ता बीच-बचाव करते हुए आरोपियों को वहां से सुरक्षित लेकर निकला।

पेशी के बाद मामले में मुख्य आरोपी गौस मोहम्मद और रियाज को कड़ी सुरक्षा के बीच अजमेर सेन्ट्रल जेल लाया गया। जहां एनआईए के अधिकारी भी पहुंच गए। कोर्ट के आदेश के अनुसार दोनों को कागजी औपचारिकता पूरी करने के बाद एनआईए को सौंप दिया गया।

जयपुर एन.आई.ए.कोर्ट में कन्हैयालाल हत्याकाण्ड के आरोपियों की पेशी के दौरान वकीलों ने जमकर पिटाई की।

मोदी चाहते हैं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पास लोकसभा में प्रचण्ड बहुमत है। अगला उपराष्ट्रपति बनने के लिये संभावित उम्मीदवारों के रूप में दो अन्य नामों की चर्चा है- राज्यसभा में विपक्ष के पूर्व नेता गुलाम नबी आज़ाद, जिन्हें कांग्रेस ने हाशिये पर रखा हुआ है क्योंकि उन्होंने उन असंतुष्ट पार्टी नेताओं का नेतृत्व किया था, जिन्होंने पार्टी का कायाकल्प करने के लिए सोनिया गांधी को पत्र लिखा था। दूसरा संभावित नाम है- केरल के राज्यपाल, 70 वर्षीय आरिफ मोहम्मद खान।

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह (80) अपनी पत्नी एंव कांग्रेस सांसद प्रणीत कौर के साथ अगले सप्ताह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो रहे हैं और साथ ही अपनी 8 माह पुरानी पंजाब लोक कांग्रेस का भाजपा में विलय कर रहे हैं।

माना जा रहा है कि, उन्होंने, अपने साथ कांग्रेस छोड़ने वाले अपने विश्वास पात्रों को लंदन से फोन करके कहा है कि, अगले सप्ताह उनके यू.के. से लौटने के बाद वो सब इस प्रक्रिया की तैयारियां शुरू कर दें।

लंदन में हाल ही में से उनकी रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन हुआ था और अब उनका स्वास्थ्य ठीक हैं। उन्होंने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह को फोन करके कहा है कि, उन्हें औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल किया जाए। जब विधानसभा चुनावों के दौरान शाह ने उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए कहा था तब उन्होंने ऑफर ठुकरा दिया था।

पटियाला राजघराने के वंशज अमरिन्दर सिंह अपने राजनीतिक गढ़, पटियाला सिटी में, आम आदमी पार्टी (आप) से पहली बार चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी के हाथों हारने के बाद गुमनामी में खो गए थे। उनकी जमानत भी जब्त हो गई थी।

पंजाब के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाए गए नवजोत सिंह सिद्धू के साथ महीने भर चले संघर्ष के बाद कैप्टन अमरिन्दर सिंह को पिछले वर्ष सितम्बर माह में मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया था। उन्होंने गत नवम्बर माह में कांग्रेस छोड़कर अपनी स्वयं की राजनीतिक पार्टी गठित की थी। सिद्धू के स्थान पर पूर्व सांसद सुनील जाखड़ को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया था। वह कैप्टन के निकट साथी हैं। जाखड़ पहले ही भाजपा में शामिल हो चुके हैं। उनसे पहले राज्य के चार पूर्व कैबिनेट मंत्री-बलबीर सिंह सिंधु, राजकुमार वर्मा, गुरप्रीत सिंह कंगड़ और सुन्दर श्याम अरोड़ा भाजपा में शामिल हुए थे।

कन्हैयालाल हत्याकाण्ड के आरोपी के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वह लिख रहा है कि "अल्लाह ताला हिंदुस्तान में जो मुसलमान के हालत खराब हैं, उनको तेरे महबूब के वासिले से अच्छा कर।"

वहीं कन्हैया हत्याकाण्ड में गिरफ्तार रियाज का एक फोटो नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया के साथ भी नजर आया है। इस पर कटारिया ने कहा कि "अल्पसंख्यक मोर्चा के पुराने किसी कार्यक्रम में फोटो खींचा होगा। इरशाद चैनवाला अल्पसंख्यक मोर्चा का पुराना कार्यकर्ता है। बाकी इस पूरे मामले में अगर मैं या भाजपा का कोई भी आदमी अगर जुड़ा हुआ है या गलत है तो उसे सजा मिलनी चाहिए।"

कन्हैयालाल के हत्यारे के भाजपा नेताओं के साथ फोटो सामने आने के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने शनिवार को मीडिया से कहा कि जघन्य हत्या के मुख्य आरोपी रियाज अत्तारी के साथ भाजपा के दो नेता, इरशाद चैनवाला और मोहम्मद ताहिर के संबंधों की तस्वीरें जगजाहिर हैं। यह बात भी सामने आई है कि वह राजस्थान भाजपा के कद्दावर नेता और राज्य के पूर्व गृह मंत्री गुलाबचंद कटारिया के कार्यक्रमों में अक्सर भाग लेता था। रियाज की भाजपा की राजस्थान अल्पसंख्यक इकाई की बैठकों में शामिल होने की तस्वीरें भी अब दुनियाभर के सामने हैं।

खेड़ा ने कहा, फेसबुक पर भाजपा नेता इरशाद चैनवाला के 30 नवंबर 2018 और मोहम्मद ताहिर के 3 फरवरी 2019, 27 अक्टूबर 2019, 28 नवंबर 2019 और 10 अगस्त 2021 को किए गए पोस्टों के माध्यम से स्पष्ट है कि उदयपुर में दुकानदार कन्हैयालाल की हत्या का आरोपी रियाज केवल भाजपा नेताओं का करीबी ही नहीं, बल्कि भाजपा का सक्रिय सदस्य भी था। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यह केस एनआईए को देने का स्वागत किया, पर नए तथ्य आने पर यह सवाल उठ रहा है कि क्या केंद्र की सरकार ने इन्हीं कारणों से इस घटना को जल्दबाजी मे एनआईए को ट्रांसफर करने का फैसला किया है ?

वहीं इस मामले में उदयपुर भाजपा शहर अध्यक्ष रविंद्र श्रीमाली ने कहा कि रियाज हमारी पार्टी का सदस्य नहीं है। भीड़ में कोई भी खड़ा होकर तस्वीर खिंचा सकता है तो ऐसे शख्स को किसी पार्टी से जोड़ा नहीं जा सकता। हम किसी भी एजेंसी से जांच का सामना करने को तैयार हैं। वहीं भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष एम साजिद खान ने कहा कि भाजपा मेंबरशिप के आधार पर देश की सबसे बड़ी पार्टी है। कोई भी भीड़ में बड़े नेताओं के साथ फोटो खिंचवाता है, इसका मतलब यह नहीं कि रियाज बीजेपी का सदस्य है। हत्याकांड के आरोपियों से पार्टी का कोई कनैक्शन नहीं है। साजिद ने कहा कि गुलाबचंद कटारिया हमारे उदयपुर के सर्वमान्य नेता हैं और लोग उनके साथ में फोटो खिंचवाते हैं, इसका मतलब यह नहीं कि फोटो खिंचवाने वाला व्यक्ति पार्टी का कार्यकर्ता है। खेड़ा ने हत्यारों की पहचान का रहस्योद्घाटन होने के बाद तीन सवाल दागे।

-क्या भाजपा और उसके नेता धार्मिक उन्माद का वातावरण निर्मित करने की कोशिश कर रहे हैं ?

-भाजपा नेताओं द्वारा उन्माद फैलाने के बाद क्या प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह अब भी चुप्पी साधे रहेंगे ? और

-क्या भाजपा "ध्रुवीकरण" का राजनीतिक लाभ लेने के लिए अपने नेताओं और प्रवक्ताओं के जरिए देश को आग में झोंकने की तैयारी कर रही हैं ?

संयुक्त किसान मोर्चा बहुत जल्द फिर से आंदोलन शुरु करेगा

नई दिल्ली, 2 जुलाई। अब एक बार फिर संयुक्त किसान मोर्चा (एस.के.एम.) अपनी गतिविधियां तेज करने की तैयारी कर रहा है। किसानों से जुड़े मुद्दे को लेकर एस.के.एम. फिर से आंदोलन करने की तैयारी में है। इसे लेकर योजना पर चर्चा के लिए संयुक्त किसान मोर्च ने कल यानी 3 जुलाई को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में बैठक बुलाई है। इस बैठक में मोर्चा से जुड़े सदस्य शिरकत करेंगे।

संयुक्त किसान मोर्चा के नेता कल होने वाली बैठक में इस बात पर चर्चा करेंगे कि आने वाले समय में किसान से जुड़े मुद्दे को सरकार के सामने किस तरह से उठाया जाए और इसका समाधान कराया जाए। बता दें कि पिछले साल दिसंबर में एक साल से ज्यादा समय तक चले आंदोलन के खत्म होने के बाद संयुक्त किसान मोर्चा की गितिविधियां शांत हो गई थीं। संयुक्त किसान मोर्चा के आंदोलन के बाद नए कानूनों को रद्द करने के बाद केंद्र सरकार की ओर से इस प्रस्ताव को भी माना गया था कि एम.एस.पी. यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी देने पर भी विचार किया जाएगा। तब केंद्र सरकार की ओर से यह भी कहा गया था कि एम.एस.पी. की गारंटी सुनिश्चित करने के लिए जो कमेटी बनाई जाएगी, उसमें किसान संगठनों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाएगा। हालांकि, सरकार ने अब तक इस दिशा में कुछ खास पहल नहीं की है। कल गाजियाबाद की बैठक में एस.के.एम. के पदाधिकारी अब एम.एस.पी. को लेकर आंदोलन की रणनीति पर चर्चा कर सकते हैं। वहीं, एस.के.एम. की बैठक के एजेंडे में उन संगठनों की मोर्चा में वापसी भी शामलि है, जो पंजाब विधानसभा चुनाव के वक्त अलग हो गए थे।

भागवत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा सह प्रांत प्रचारकों की उपस्थिति अपेक्षित रहेगी। डॉ. रमेश ने बताया कि प्रांत प्रचारक बैठक में संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले सहित सभी सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल, डॉ. मनमोहन वैद्य, सीआर मुकुंद, अरुण कुमार व रामदत्त शामिल होंगे।

'गहलोत की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निकम्मा" शब्द तो शायद उनका प्रिय है। मुझसे पहले अपनी पार्टी के ही एक युवा नेता के लिए इस शब्द का प्रयोग चुके हैं। शायद युवाओं से ही उनको चिढ़ है... चाहे अपनी पार्टी में हों या विपक्ष में। हर आगे बढ़ने वाले युवा से उनको कष्ट है। भाषण का समापन सारांश से किया जाता है और सीएम साहब ने वह मुझे समर्पित कर दिया। मैं तो यही कहूंगा आपकी भाषा और भावना आपको ही मुबारक...।"

मुंबई-अहमदाबाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसकी योजना इस जगह पर एक कन्वैन्शन सैन्टर बनाने की थी।

'प्र.मंत्री जी ऐसे निकम्मे मंत्री को रखते ही क्यों हो, जो आपकी मीटिंग में ही एबसैन्ट माइन्ड रहता है'

ईआरसीपी के मुद्दे पर बुलाई बैठक में मुख्यमंत्री गहलोत ने केन्द्रीय मंत्री शेखावत पर शब्द बाण चलाये

- **ईआरपीसी को पूर्वी राजस्थान में बड़ा मुद्दा बनाएगी कांग्रेस, 13 जिलों के मंत्री-विधायकों सहित प्रमुख नेताओं की बैठक में ऐसे संकेत दिए।**

जयपुर, 2 जुलाई (का.प्र.)। ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को निकम्मा और एब्सैंट माइंड बताया है। ईआरसीपी को लेकर 13 जिलों के विधायकों और कांग्रेस नेताओं की मीटिंग में गहलोत ने कहा कि "गजेंद्र सिंह खुद प्रधानमंत्री की सभा में थे, आपने देखा होगा फोटो में, इसके बावजूद वे इस तरह की बात बोल रहे हैं। इसका मतलब वह मीटिंग में माइंड रहते हैं। प्रधानमंत्री की मीटिंग में एब्सैंट माइंड रहना अच्छी बात है क्या? इसका मतलब हम कभी कहेंगे कि प्रधानमंत्री जी ऐसे निकम्मे मंत्री को रखते ही क्यों हो जो आपकी मीटिंग में ही एब्सैंट माइंड रहता है। प्रधानमंत्री बोले और आपने सुना ही नहीं, गजेंद्र सिंह खुद कह रहे हैं कि सुना ही नहीं।"

कांग्रेस को अब ईस्टर्न राजस्थान कैनाल परियोजना को बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी करनी है। ये मुद्दा ऐसा है, जो कम से कम राजस्थान के पूर्वी हिस्से को प्रभावित करेगा। यही कारण है कि मुख्यमंत्री आवास पर ईआरसीपी को लेकर बैठक बुलाई गई। बैठक में मुख्यमंत्री के साथ ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी थे। ईस्टर्न राजस्थान कैनाल परियोजना के तहत राजस्थान के 13 जिलों अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, दौसा, जयपुर, अजमेर, टोंक, बूंदी ,कोटा, झालावाड़ और बारां की करीब 86 विधानसभा सीटें आती हैं। ऐसे में कांग्रेस निकट भविष्य में इस परियोजना को लेकर ईस्टर्न राजस्थान में बड़ा आंदोलन शुरू कर सकती है। मीटिंग में जलदाय मंत्री महेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने का अजमेर और जयपुर की सभाओं में वादा किया था, आप निभाओ। मंत्रीजी ने बैठे-बैठे लैक्चर दे दिया कि, अगर प्रधानमंत्री ने इस तरह का वादा किया हो तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। नहीं तो मुख्यमंत्री और आपको लेना होगा।" अब लें वे संन्यास, कहां चले गए, यह स्थिति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2018 की जयपुर और अजमेर की सभाओं में किए गए वादों पर गहलोत ने कहा कि दोनों सभाओं में पीएम मोदी ने अजमेर और जयपुर में ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने का उल्लेख किया था। अब और क्या कह सकते थे। मुख्यमंत्री ने दूसरी बार किसी नेता के लिए निकम्मा शब्द का इस्तेमाल किया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इससे पहले जुलाई 2020 में राजनीतिक संकट के समय सचिन पायलट को नाकारा - निकम्मा कहा था। अब केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के लिए निकम्मा शब्द का इस्तेमाल किया है। मुख्यमंत्री की ओर से इस मसले पर 13 जिलों के नेताओं की बैठक बुलाए जाने तथा केंद्रीय मंत्री को निकम्मा कहने के बाद तय है कि आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर दोनों पार्टियों के बीच जुबानी जंग तेज होने वाली है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908